>

Title: Need to permit farmers in Sabarkantha parliamentary constituency, Gujarat to lay water pipe lines beneath the railway lines with nominal fee.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): हमारे संसदीय क्षेत्र साबरकांठा में उदयपुर से अहमदाबाद वाया हिम्मत नगर एम.जी. रेल लाईन बिछाई गई है जिसमें हिम्मत नगर और उदयपुर के बीच वाली लाईन अजमेर डिवीजन में आती है। उसी लाईन में हिम्मत नगर तहसील का एक छोटा सा सूरजपुरा नामक गांव है। इस गांव के किसानों ने अपने खेतों की सिंचाई ""4"" डायामीटर की पाइपलाईन रेलवे ट्रैक के नीचे से ले जाने की इजाजत रेल विभाग से मांगी है। इस मांग के प्रत्युत्तर में रेल विभाग ने प्रत्येक किसान से डेढ़ से दो लाख रूपये परमीशन चार्ज मांगा है और लाखों रूपये जमा करवाने का एस्टीमेट दिया है। मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि जिन किसानों ने अपनी सोने के टुकड़े जैसी जमीन मुफ्त के भाव रेलतंत्र को दी है तथा रेल लाईन गुजरने से खेतों के दो टुकड़े हो गए हैं उन्हीं खेतों में सिंचाई हेतु सिर्फ ""4"" डायामीटर की पाइपलाईन रेल ट्रैक के नीचे से ले जाने के लिए लाखों रूपये रेल विभाग को देने पड़े, यह कैसी विडंबना है।

इससे बेहतर है कि किसानों से मुफ्त भाव ली गई जमीन उन्हें वापस दी जाए। एक ओर सरकार कृषि को अपनी प्राथमिकताओं में बताती है और किसानों के लिए लुभावनी रियायतों की घोषणा करती है और दूसरी ओर परमीशन चार्ज के नाम पर लाखों रूपये किसानों से बटोरती है।

मैं इस संबंध में सरकार से मांग करता हूँ कि कृषि की सिंचाई हेतु अगर कोई किसान रेल ट्रैक के नीचे से पाइपलाईन ले जाना चाहता है तो उससे मामूली चार्ज वसूल करके परमीशन दी जाए।